हिन्दुस्तान

जमशेदपुर, बुधवार, 27 अक्तूबर, 2010 हिन्दुस्तान

साइंस क्विज में जेएच तारापोर चैंपियन

संवाददाता
जमशेदपुर

राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) जमशेदपुर के निदेशक रहे प्रो. पी रामचन्द्र राव की याद में मंगलवार को एनएमएल में साइंस क्विज का आयोजन किया गया। क्विज के फाइनल में जेएच तारापोर और लिटिल फ्लावर स्कूल (एलएफएस) जमशेदपुर की जोरदार टक्कर हुई, लेकिन दो अंकों के अंतर से जेएच तारापोर की टीम ने बाजी मार ली।

एलएफएस को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। जेएच तारापोर टीम को 109 और एलएफएस टीम को 107 अंक मिले। विजेता टीम में हमीद, संध्या श्रीवास्तव और आनंद प्रकाश, जबकि एलएफएस टीम में शांतनु महापात्रा, रितांकर देव और आदित्य पॉल शामिल थे। क्विज के प्रारंभिक चरण में नगर के 25 से ज्यादा स्कूलों की भागीदारी रही। इसमें से पांच टीमें फाइनल में पहुंचीं। फाइनल में पहुंचने वाली टीम थी-टैगोर एकेडमी, लोयोला स्कूल, लिटिल फ्लावर स्कूल, केरला समाजम मॉडल स्कूल और जेएच तारापोर स्कूल। क्विज में आठ राउंड थे। क्विज मास्टर डा. शांतनु चक्रवर्ती ने विज्ञान विषयक सवालों को पूछ छात्रों का एसिड टेस्ट किया। विजेताओं को एनएमएल के निदेशक डा. एस श्रीकांत ने पुरस्कृत किया और कहा कि प्रो. राव आज के युवाओं को कल का भविष्य मानते थे। उनका मानना था कि युवा ही देश की तकदीर बन सकते हैं और बदलाव में उत्प्रेरक की भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जब प्रो. राव एनएमएल जमशेदपुर के निदेशक थे, तो उन्होंने इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सहयोग से क्रिएटिविटी ओलंपियाड की शुरुआत की। निदेशक ने बताया कि इस क्विज का विस्तार राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा।

मंगलवार को क्विज में शामिल टीम।

10 साल तक रहे निदेशक

जमशेदपुर। प्रो. पी रामचन्द्र राव ने 1992 में एनएमएल के निदेशक बने। इसके पहले वे बीएचयू में मेटॉलर्जी के प्रोफेसर थे। प्रो.राव 2002 तक एनएमएल के निदेशक रहे। इसके बाद तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने प्रो. राव को केन्द्रीय विश्वविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति का प्रभार सौंपा। हैदराबाद स्थित इन्टरनेशनल एडवांस रिसर्च सेन्टर फॉर मेटलॉर्जी एंड न्यू मेटेरियल्स ने उन्हें राजा रमन्ना फेलो से सम्मानित किया।

पुस्तकें पढ़ें

जमशेदपुर। प्रो. पी रामचन्द्र राव छात्रों में कम हो रही रीडिंग हैबिट से वे चिंतित थे। उनका मानना था कि किताबें पढ़ कर ही नॉलेज बढ़ाई जा सकती है।